Ph.D (Hindi) Entrance Examination 2017

Time : 2 Hours | Max. Marks : 80

प्रवेश-पत्र संख्या / Hall Ticket No. _____

अनुदेश/Instructions :

कृपया इस पृष्ठ पर तथा ओ.एम.आर. उत्तर पुस्तिका पर अपनी प्रवेश-पत्र संख्या **जरूर लिखें ।**
Please enter your Hall Ticket Number on this page and also on the OMR answer sheet **without fail before answering the questions.**

ओ.एम.आर. उत्तर पुस्तिका पर दिये गये निर्देशों के अनुसार प्रश्नों के उत्तर ओ.एम.आर. शीट पर ही लिखे जाने चाहिए ।
Answers are to be marked on the OMR answer sheet only following the instruction provided there upon.

प्रश्न-पत्र में कुल 80 वैकल्पिक प्रश्न भाग 'ए' और भाग 'बी' के अंतर्गत दिये गये हैं । भाग 'ए' के प्रश्नों के लिए 'नेगेटिव मार्किंग' (Negative marking) है । इसलिए भाग 'ए' के हर गलत उत्तर के लिए **कुल प्राप्त अंकों (भाग 'ए' और भाग 'बी') में से 0.33 अंक काट दिये जाएंगे ।**
The question paper consists of 80 objective type questions in two parts (Part-A and Part-B) and there will be **negative marking of 0.33 marks for every wrong answer in Part A. The negative marks will be deducted from the total marks obtained (i.e. Part A and Part B).**

परीक्षा के उपरान्त ओ.एम.आर. उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक को सौंप दें ।
Handover the OMR sheet at the end of the examination to the invigilator.

Entrance Examination 2017 - Ph.D. (Hindi)

सूचना : **निम्नलिखित प्रश्नों के चार वैकल्पिक उत्तर दिए गए हैं जिनमें केवल एक उत्तर सही है । सही उत्तर चुनकर OMR Sheet पर यथास्थान चिह्नित कीजिए ।**

PART - A

1.	एक बौद्धिक अनुशासन के रूप में मनोविश्लेषण की स्थापना इन्होंने की - A. कार्ल गुस्ताव युंग B. ज़िग्मण्ड फ्रॉयड C. जाक लकाँ D. एरिक फ्रॉम
2.	साहित्य के क्षेत्र में बंगाल के नवजागरण को रचनात्मक-विश्वास देने का श्रेय इनको है - A. बंकिमचंद चटर्जी B. रवीन्द्रनाथ टैगोर C. माइकेल मधुसूदन दत्त D. शरत चंद्र चटर्जी
3.	मनोविश्लेषणवादियों ने मिथक को इसकी उत्पत्ति के रूप में ग्रहण किया - A. समूह के मानस की उत्पत्ति B. मानसिक रूपात्मक क्रिया की उत्पत्ति C. सामाजिक संरक्षण की उत्पत्ति D. भाषा के विकास की उत्पत्ति
4.	यह अनुसंधान एक पद्धति है जिसके बिना सांस्कृतिक मानव-शास्त्र नामुमकिन है-- A. जाग्रफी B. एथनोग्राफी C. एन्थ्रोपोलजी D. ह्यूमैन जैनेटिक्स
5.	"परस्पर विपरीत द्विभाजन के ज़रिये भाषा, संस्कृति, इतिहास, मनोविज्ञान जैसे समाज के विभिन्न आयामों का अर्थ ग्रहण किया जा सकता है" - यह किस वाद की मूल मान्यता है --- A. मार्क्सवाद B. पारिस्थितिकवाद C. संरचनावाद D. अस्तित्ववाद
6.	'सूचना-समाज' की अवधारणा का विकास बीसवीं सदी के किस दशक में हुआ - A. सातवाँ B. आठवाँ C. नौवाँ D. अंतिम दशक
7.	शोध-निबंध के लिए निम्नलिखित किन तत्वों की क्रमशः उपस्थिति अनिवार्य है ? A. प्रस्तावना, तथ्यों का विश्लेषण, निष्कर्ष B. तथ्यों का विश्लेषण, निष्कर्ष, प्रासंगिकता C. प्रस्तावना, तथ्यों की प्रस्तुति, निष्कर्ष D. प्रस्तावना, तथ्य स्रोतों की समीक्षा, निष्कर्ष

8.	अकादमिक क्षेत्र में कार्यशालाएँ क्यों आयोजित की जाती हैं ? A. प्रशिक्षण देने के लिए B. शोध-परक विचार-विमर्श के लिए C. शोध-निष्कर्ष प्रस्तुत करने के लिए D. भाषण देने के लिए
9.	किसी वस्तु शब्द या सिद्धान्त का ऐसा नपा-तुला परिचय जिससे उसके स्वरूप, गुण, वैशिष्ठ्य आदि का यथार्थ ज्ञान हो जाए, उसे कहते हैं -- A. व्याख्या B. परिभाषा C. परिकल्पना D. पूर्वकल्पना
10.	शोध-प्रबंध में निम्नलिखित गुणों का रहना अनिवार्य है - A. अनुभूतियों का विश्लेषण, प्रेरणा स्रोतों और रचना-प्रक्रिया का निरूपण B. नवीन वर्णन और सिद्धान्तों की अभिव्यक्ति C. तथ्यों की समीक्षा और सिद्धांत के आलोक में आख्यान D. नवीन तथ्यों की खोज अथवा उपलब्ध तथ्यों और सिद्धान्तों का नवीन दृष्टि से विश्लेषण
	निम्नलिखित अनुच्छेद को सावधानी पूर्वक पढ़िये और प्रश्न संख्या 11 से 16 तक के उत्तर दीजिए । एक अच्छी नीति गलत साबित हो सकती है यदि इसे लागू करने की संस्थागत क्रियाविधि अनुपयुक्त, अक्षम या भ्रष्ट हो । यहाँ पर विकास के जिस प्रारूप को प्रतिपादित किया गया है वह केवल सांवेगिक या बौद्धिक चेतना के स्तर पर ही नहीं, उस स्तर पर भी स्वीकृति की अपेक्षा करता है जहाँ यह नियोजकों तथा प्रशासनिक और कार्यान्वयन के अभिकरणों की मूल धारणाओं को प्रभावित करता है । प्रशासनिक सेवाएँ, जो औपनिवेशिक ढाँचे में गढी गयी थीं, अभी तक सच्चे अर्थ में नियोजन तथा सहभागी विकास की शैली तक आम जनता की पहुंच के दर्शन को स्वीकार नहीं कर सकी हैं, न ही वे मानव-संसाधनों के सक्रियकरणके विभिन्न आयामों और उसके परिणामों को ही समझ सकी हैं । उनके प्रति ईमानदारी बरतते हुए यह मानना पड़ेगा कि उन्हें कठिन, ढुलमुल और प्रायः अपरिपक्व राजनीतिक सत्ताधीशों की सत्ता की इच्छाओं के आगे झुकना पड़ा है, ताकि वे उन भूमिकाओं को निभा सकें जिनके लिए वे प्रशिक्षित नहीं है । वे विपरीत दबावों द्वारा निरन्तर उत्पीड़ित भी किये जाते रहे हैं । सामग्री-वितरण की व्यवस्थाएँ समृद्ध हुई हैं और कुछ विशेष परिस्थितियों में वे क्षमतापूर्वक

	कार्य भी करती हैं; परन्तु ध्यान देने की बात यह है कि नौकरशाही आम जनता के लिए काम कर सकती है, लेकिन जब इसे जनता के साथ या जनता के अधीन कार्य करना होता है तब इसके कई मानसिक अवरोध प्रकट होते हैं । इसे बदलना होगा । यहाँ तक कि सामग्री-वितरण की व्यवस्थाओं को भी नये दर्शन के अनुरूप ठीक करना होगा । नौरकशाही की संरचना में मध्यम तथा निम्न स्तर पर खामियाँ स्पष्ट रूप से उभरी हैं । वे विधिवत्, पुनर्गठन, प्रशिक्षण तथा पुनः प्रशिक्षण की अपेक्षा करती है । जब तक ऐसा नहीं होता है, धरती के स्तर से नियोजन (या नीचे से नियोजन) कभी भी सम्भव नहीं हो सकेगा और आम जनता की नियोजन तथा विकास तक पहुँच अवरुद्ध होगी ।
11.	एक अच्छी नीति कब गलत साबित हो सकती है - A. प्रशासनिक अधिकारियों की बेईमानी से B. नौकरशाही के विधिवत् पुनर्गठन नहीं होने पर C. संस्थागत क्रियाविधि अनुपयुक्त होने पर D. प्रशासनिक और कार्यान्वयन की नीतियों के अपरिपक्व होने पर
12.	विकास के किस प्रकार का प्रारूप इस अनुच्छेद में प्रतिपादित किया गया है - A. कार्यान्वयन के स्तर पर स्वीकृति की अपेक्षा करने वाला B. प्रशासनिक अभिकरणों की मूल धारणाओं को प्रभावित करने वाला C. लागू करने की उपयुक्त क्रियाविधि का अनुगमन करने वाला D. सांवेगिक स्तर पर स्वीकृति की अपेक्षा करने वाला
13.	प्रशासनिक सेवाओं की क्या स्थिति है ? A. वे मानव संसाधनों के सक्रियकरण के परिणामों को ही समझ सकी है । B. वे अपरिपक्व राजनैतिक सत्ताधीशों की कामनाओं के अनुसार आगे नहीं बढ़ रही हैं । C. वे नियोजन और सहभागी विकास की प्रक्रिया को समझ रही हैं । D. वे सहभागी विकास के औपनिवेशिक ढाँचे में गढ़ी गयी थीं ।
14.	नौकरशाही के मानसिक अवरोध कब प्रकट होते हैं - A. कुछ विशेष परिस्थितियों में क्षमता पूर्ण कार्य करने की माँग पर B. जनता के साथ कार्य करने की माँग उठने पर C. सामग्री वितरण की व्यवस्ताओं को संमृद्ध करने की माँग करने पर D. राजनीतिक सत्ताधीशों की सत्ता की इच्छाओं के आगे झुकने की स्थिति आने पर

15.	धरती के स्तर से नियोजन कब तक संभव नहीं होगा - A. नौकरशाही ही संरचना को ठीक नहीं करने B. नौकरशाही के विधिवत पुनर्गठन और प्रशिक्षण नहीं होने पर C. सामग्री वितरण की व्यवस्थाओं को नये दर्शन के अनुरूप ठीक नहीं करने पर D. नौकरशाही को मानव संसाधनों के परिणामों को नहीं समझने पर
16.	इथोलॉजी (Ethology) का संबंध इस क्षेत्र से है - A. आचार और चरित्र निर्माण B. शिष्ट, कोमल, मृदु शब्दों का प्रयोग C. सुस्वरता, श्रुतिमधुरता और सुरीलेपन D. स्तुति पाठ, गुणगान, और प्रशंसा लेख
17.	प्रलेखीय साक्ष्य का अर्थ है -- A. सिद्धांत का समर्थन लेना B. लिखित प्रमाण प्रस्तुत करना C. शिलालेखीय साक्ष्यों को प्रस्तुत करना D. साक्षात्कार लेना
18.	साहित्यिक संवादों के अर्थ का विश्लेषण इस तरह से किया जाता है - A. संदर्भ निरपेक्ष B. संदर्भ सापेक्ष C. चरित्र सापेक्ष D. कोशीय अर्थ के बल पर
19.	गुण विषयक या गुण संबंधी अनुसंधान (Qualitative Research) इस पर ज्यादा बल देता है - A. यथार्थ की सामाजिक निर्मिति B. सांख्यिकी विश्लेषण C. ऐतिहासिक तथ्य D. काल्पनिक वास्तविकताएँ
20.	निम्नलिखित कथनों में से दो कथन एक-दूसरे के जुड़े नहीं है । उनका चयन करते हुए सही उत्तर दीजिए । 1. सभी सृजनशील व्यक्ति कवि नहीं होते हैं । 2. कुछ सृजनशील व्यक्ति कवि होते हैं । 3. कुछ सृजनशील व्यक्ति कवि नहीं होते हैं । 4. कोई भी सृजनशील व्यक्ति कवि नहीं होता है । A. 1 और 4 B. 1 और 3 C. 2 और 3 D. 1 और 2
21.	साहित्य, सौंदर्यशास्त्र और मानवीकी विषयों के शोध का प्रयोजन है - A. प्रायोगिक उपयोग B. सामाजिक समस्याओं का निदान C. मानवीय गुणों और जीवन-मूल्यों का उन्नयन D. पाठकीय रुचि और सौन्दर्याभिलाषा का विकास

22.	मौलिक चिंतन के विकास के लिए शोधनिर्देशक से इस गुण की अपेक्षा की जाती है- A. सिद्धांत प्रतिपादन की क्षमता B. उदारता और सहिष्णुता C. अनुप्रयुक्त ज्ञान के क्षेत्रों के विकास की क्षमता D. ऐतिहासिक दृष्टि की आवश्यकता
23.	डॉ. के. स्टेलजर ने शोधकर्ता में अपेक्षित गुणों में इस गुण को सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्वीकार किया - A. दृष्टि की विशालता B. निर्णय दक्षता C. कल्पना शक्ति D. विषय का सांकेतिक ज्ञान
24.	जॉन ड्यूई ने शोध की प्रक्रिया के चरणों में इसको सबसे प्रथम चरण के रूप में स्वीकार किया है - A. किसी समस्या का स्पष्ट शब्दों में कथन B. किसी समस्या का संभाव्य समाधान C. किसी समस्या का विश्लेषण और स्वरूप निर्धारण D. किसी समस्या का प्रत्यक्ष अनुभव
25.	प्रत्यक्ष विशेष तथ्यों के आधार पर सामान्य सिद्धान्त तक पहुँचने की प्रक्रिया हम इस पद्धति में देखते हैं - A. निगमन पद्धति B. आगमन पद्धति C. संश्लेषण पद्धति D. समीक्षा पद्धति
26.	हिन्दी में प्रकाशित 'शोध और सिद्धांत' शीर्षक पुस्तक के लेखक का नाम है -- A. डॉ. उदयभानु सिंह B. डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव C. डॉ. नित्यानंद तिवारी D. डॉ. नगेन्द्र
27.	हिन्दी भाषा से संबंधित अनुसंधान करने वाले विद्वानों में इनका नाम उल्लेखनीय है- A. डॉ. नामवर सिंह B. डॉ. मैनेजर पाण्डेय C. डॉ. बच्चन सिंह D. डॉ. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
28.	'भाषाविज्ञान के सिद्धान्त और हिन्दी भाषा' इनके द्वारा लिखित ग्रंथ का नाम है - A. डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना B. डॉ. उदयनारायण तिवारी C. डॉ. भोलानाथ तिवारी D. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा
29.	भारतीय आर्य भाषाओं के अध्ययन के आधार पर इन्होंने इस सिद्धान्त का प्रतिपादन किया कि " भारत में आर्य कम से कम दो बार आये ।" - A. ग्रियर्सन जॉर्ज अब्रहम B. एस.एच. केलॉग C. डेविड क्रिस्टल D. डॉ. ए.एफ.आर. हार्नले

30.	शोध-प्रबंध के 'प्राक्कथन' में इन पर प्रकाश डाला जाता है - A. शोध-प्रबंध की विषय-सूची B. शोध-प्रबंध का निष्कर्ष C. सहायक ग्रंथ-सूची D. शोध-प्रबंध की प्रासंगिकता और आशय
31.	शोध-प्रबंध के संदर्भ में 'प्राक्कल्पना' का अर्थ है - A. अनुमान लगाना B. कल्पना करना C. सारांश बनाना D. विषय का विस्तार करना
32.	शोधार्थी अपने कथन, निष्कर्षों को सिद्ध करने के लिए इनका संदर्भ लेता है - A. उद्धरण B. संदर्भ-ग्रंथ संकेत C. प्रमाणोल्लेख D. शोध-निर्देशक के विचार
33.	अनुसंधाता की विषय को समझने, समझाने की भावोचित आलोचना-शक्ति को यह कहते हैं- A. सामाजिक दृष्टि B. मनोवैज्ञानिक दृष्टि C. आदर्शवादी दृष्टि D. तत्वाभिनिवेशी दृष्टि
34.	'पिष्टपेषण' या 'चर्वित चर्वण' का अर्थ है - A. विषय का विश्लेषण करना B. विषय का दो बार विश्लेषण करना C. विषय का अनावश्यक सार बताना D. विषय को बार-बार पुनरावृत्त करना
35.	शोध-प्रबंध में सुष्ठु प्रतिपादन शैली का अर्थ है - A. शब्दार्थ संतुलन, स्पष्टता, अर्थ गौरव और औचित्य का निर्वाह करना B. प्रभावोत्पादक वर्णन करना C. अलंकारों का सही प्रयोग करते हुए विषय का प्रतिपादन करना D. विषय का सरलीकरण करना
36.	निर्देश - "6 6 9 6 9 9 9 6 6 6 9 6 9 6 6 9 9 6 6 9 9 6 6 6" प्रदत्त अंक श्रृंखला में कितने '9' ऐसे हैं जिनके पूर्व और बाद में '6' आता है - A. 5 B. 4 C. 3 D. 7
37.	राम उत्तर की ओर 10 कि.मी. की यात्रा करता है । बायी ओर मुड़ता है तथा 4 कि.मी. की यात्रा करता है और तब दाहिनी ओर मुड़ता है तथा 5 कि.मी. की यात्रा करता है और फिर दाहिनी ओर मुड़ता है और तब 4 कि.मी. जाता है । अब वह प्रस्थान बिंदु से कितनी दूर है --- A. 15 कि.मी. B. 4 कि.मी. C. 5 कि.मी. D. 10 कि.मी.

38.	एक व्यक्ति को दर्पण में दीवार पर घड़ी का प्रतिबिम्ब दिखाई पड़ रहा है । प्रतिबिंब में मिनट वाली सुई 12 पर तथा घण्टे की सुई 9 पर दिखाई दे रही है । बताइए कि घड़ी में वास्तविक समय क्या रहा होगा ? - A. 8 बजे B. 4 बजे C. 5 बजे D. 3 बजे
39.	निर्देश : यदि 'COMPREHENSION' शब्द में पहले तीन अक्षर उल्टे क्रम में लिखे जाते हैं और तब अन्तिम अक्षर जोड़ा जाता है और तब शेष अक्षर उल्टे क्रम में लिखे जाते हैं उपर्युक्त निर्देश के अनुसार कौन-सा अक्षर ठीक मध्य में होगा ? A. H B. R C. S D. N
40.	उपर्युक्त निर्देश के अनुसार कौन-सा अक्षर अन्त से पाँचवाँ होगा ? A. S B. R C. N D. E

PART - B

41.	महाकाव्य के उद्‌भव की सामाजिक व्याख्याओं के अनुसार हिन्दी में महाकाव्यों का उद्‌भव मुख्य रूप से इस परंपरा से हुआ है ? A. पुराणों की परंपरा से B. लोक-गीत, लोकाख्यान और वीरगीतों की परंपरा से C. संस्कृत काव्य परंपरा से D. भारतीय इतिहास की परंपरा से
42.	जयशंकर प्रसाद की कामायनी का प्रतिपाद्‌य विषय था - A. मनु और जल प्लावन की गाथा को प्रस्तुत करना B. देव संस्कृति और सभ्यता की अवनति की कथा बताना C. मानवता का मनोवैज्ञानिक और सामाजिक इतिहास प्रस्तुत करना D. प्राचीन आर्यावर्त और उसके प्रथम सम्राट की कथा बताना
43.	अपभ्रंश में लिखित स्वयंभु के काव्य 'पउमचेरिउ' में इनकी कथा कही गयी है-- A. कृष्ण-कथा B. राम-कथा C. कीर्ति-सिंह की कथा D. गौतम की कथा

44.	रामचरितमानस की कथा वस्तु तथा उसके विभिन्न अंगों के आधार-ग्रंथों का पूरा विश्लेषण करने के बाद किस विद्वान ने उसके रचना क्रम के - रामचरित, शिवरामायण, और भुशुन्डी रामायण --- तीन सोपानों का निर्धारण किया । A. सी.वोदवील B. कामिलबुल्के C. रामचन्द्र शुक्ल D. श्रीधर सिंह
45.	आदिकाल में खड़ीबोली को काव्य की भाषा बनाने वाले पहले कवि हैं --- A. विद्यापति B. अमीर खुसरो C. चंदबरदाई D. दामोदर शर्मा
46.	बाबर के आक्रमण काल में भारत की राजनैतिक अस्थिरता का वर्णन इनकी रचनाओं में मिलता है -- A. नानक B. सुंदरदास C. मलूकदास D. दादूदयाल
47.	हिन्दी प्रेमाख्यान काव्य परंपरा में नायिका का नाम '-वती' प्रत्ययवाला होना इसकी प्रेरणा से या इस स्रोत से हुआ -- A. पुराण की कथाओं की नायिकाओं के नामों से B. बृहत्कथा की प्रासंगिक कहानियों की नायिकाओं के नामों से C. महाभारत के प्रासंगिक उपख्यानों की नायिकों के नामों से D. अपभ्रंश के जैन कवियों की प्रेमकथाओं की नायिकों के नामों से
48.	आधुनिक भारतीय भाषाओं में कृष्णकाव्य का प्रारंभ इनसे स्वीकार किया जाता है ? A. सूरदास B. नामदेव C. विद्यापति D. पोतना
49.	"भाषा में अर्थ की अनेकांतता और लेखक की मनोदशा को न जानपाने की सच्चाई किसी भी तरह के अंतिम अर्थ या स्थिति को निरस्त कर देती है ।" - यह किस आलोचक का कथन है ? A. फर्दिनैंद द सस्यूर B. सिमोन द बोउवार C. रोलाँ बार्थ D. ल्यूसियाँ फ़ेब्र
50.	"हस्तलिखित हिन्दी ग्रंथों का संक्षिप्त विवरण" (1933) इनकी पुस्तक है -- A. रामचन्द्र शुक्ल B. श्यामसुंदर दास C. हजारीप्रसाद द्विवेदी D. परशुराम चतुर्वेदी

51.	निर्गुण संत काव्य परंपरा के कवियों की वाणी का मूल उद्देश्य था -- A. समाज को आडंबरों से मुक्त करना B. कर्म-काण्ड का विरोध करना C. मानव-समाज का सामूहिक कल्याण D. वर्ण-व्यवस्था का विरोध
52.	वैष्णव कृष्ण भक्त कवियों की एक बड़ी देन यह है -- A. साप्रदायिक स्तर पर कृष्ण भक्ति का विविध रूपों में पल्लवन B. कृष्ण की लीलाओं का गायन और भगवान को रिझाना C. भक्ति के सिद्धांत पक्ष की स्थापना D. जीवन की कोमल भावनाओं को उजागर करना
53.	रीतिकालीन आचार्यों में चिन्तामणि को इस श्रेणी के कवि के रूप में स्वीकार किया जाता है --- A. विशिष्टांग निरूपक कवि B. सर्वांग निरुपक कवि C. अलंकार निरूपक कवि D. छन्दोनिरूपक कवि
54.	रीतिमुक्त कवियों के प्रेम वर्णन में इसकी प्रधानता है - A. श्रृंगार B. वेदना C. भक्ति भावना D. रहस्यात्मकता
55.	संस्कृत के आचार्यों ने जहाँ प्रायः आचार्यत्व और कवि कर्म को पृथक रखा था, वहां हिन्दी के रीतिकालीन आचार्य कवियों ने दोनों को मिला दिया - इसका परिणाम यह हुआ-- A. काव्यशास्त्र का विकास नहीं हो सका । B. काव्यशास्त्र का विकास हुआ । C. रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध कवियों की श्रेणी अलग हो गयी । D. कवि-शिक्षकों का विकास नियत क्रम में नहीं हो सका ।
56.	आधुनिक युग की ऐतिहासिक प्रक्रिया के परिणाम स्वरूप हिन्दी साहित्य इतिहास में द्विवेदी युग तक आते-आते भाषा-प्रयोग में यह परिवर्तन हुआ । --- A. अवधी की जगह खड़ीबोली ने लेली । B. ब्रजभाषा की जगह खोड़ी बोली ने लेली । C. ब्रजभाषा और खड़ीबोली का समानांतर प्रयोग होने लगा । D. अवधि और ब्रज भाषा का समानांतर प्रयोग होने लगा ।

57.	आधुनिक युग की साहित्यिक विधाओं में जीवनी साहित्य का विकास इस युग में हुआ -- A. द्विवेदी युग B. भारतेन्दु युग C. प्रेमचन्द युग D. स्वातंत्र्योत्तर युग
58.	'भारत दुर्दशा' (1902) इनके द्वारा लिखित सामयिक सामाजिक-राजनैतिक जीवन की विकृतियों को उभारनेवाला नाटक है -- A. प्रतापनारायण मिश्र B. जयशंकर प्रसाद C. जीवानन्द शर्मा D. भगवती प्रसाद
59.	'आचरण की सभ्यता' और 'मजदूरी और प्रेम' किनके द्वारा लिखित निबंध है ? A. माधव प्रसाद मिश्र B. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी C. श्यामसुंदर दास D. सरदार पूर्ण सिंह
60.	'मणिकर्णिका' के लेखक कौन हैं ? A. धर्मवीर B. तुलसीराम C. जयप्रकाश कर्दम D. भगवानदास मोरवाल
61.	किस उपन्यास में ब्रिटिश कालीन आदिवासी विद्रोह, संघर्ष और बलिदान का चित्रण किया गया है -- A. लौटते हुए B. धूणी तपे तीर C. जंगल के गीत D. छैला संदु
62.	प्रकाशन-वर्ष के अनुसार सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' की निम्नलिखित रचनाओं का सही अनुक्रम है -- A. तुलसीदास, गीतिका, परिमल, अनामिका B. अनामिका, परिमल, तुलसीदास, गीतिका C. अनामिका, परिमल, गीतिका, तुलसीदास, D. परिमल, अनामिका, गीतिका, तुलसीदास
63.	"मुझे भ्रम होता है कि प्रत्येक पत्थर में / चमकता हीरा है / हर एक छाती में आत्मा अधीरा है/ प्रत्येक सुस्मित में विमल सदनीरा है" - ये पंक्तियाँ किनकी हैं ? A. अज्ञेय B. शमशेर बहादुर सिंह C. मुक्तिबोध D. धर्मवीर भारती
64.	हिन्दी की यह कविता-धारा जीवन के एक-एक क्षण को सत्य मानती है और उस सत्य को पूरी हार्दिकता और पूरी चेतना से भोगने का समर्थन करती है -- A. छायावादी कविता B. प्रगतिवादी कविता C. नई कविता D. प्रयोगवादी कविता

65.	ठाकुर प्रसाद सिंह का 'महामानव' किस के जीवन पर आधारित प्रबंध काव्य है ? A. जवाहरलाल नेहरू B. महात्मा गाँधी C. स्वामी विवेकानंद D. राजा कर्ण
66.	अश्वघोष के 'सौन्दरनंद' पर आधारित कथानक के बल पर मोहन राकेश ने किस नाटक को लिखा? A. आषाढ़ का एक दिन B. लहरों का राजहंस C. आधे-अधूरे D. पैर तले की ज़मीन
67.	'भट्टिनी', महामाया, निपुणिका, सुचरिता, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के इस उपन्यास के पात्र हैं -- A. चारू चन्द्रलेख B. पुनर्नवा C. बाण भट्ट की आत्मकथा D. अनामदास का पोथा
68.	महानगरीय बोध और अकेलेपन की त्रासदी को चित्रित करनेवाली 'खोई हुई दिशाएँ' किनके द्वारा लिखित कहानी है --- A. रामदरश मिश्र B. कृष्णा सोबती C. उषा प्रियंवदा D. कमलेश्वर
69.	'रस सिद्धांत' किनका आलोचनात्मक ग्रंथ है ? A. रामचन्द्र शुक्ल B. नंददुलारे वाजपेयी C. नगेन्द्र D. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
70.	शायद वह आता हो । शायद वह आया हो । शायद वह आ रहा हो । -- आदि हिन्दी वाक्यों में प्रयुक्त - ता हो, -या हो, रहा हो -- वृत्ति प्रत्यय इस श्रेणी के वृत्ति प्रत्यय कहलाते हैं -- A. आज्ञार्थक B. अनिश्चित संभाव्य C. निश्चित संभाव्य D. संकेतार्थ
71.	हिन्दी में 'अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान', भाषा-शिक्षण तथा साहित्य-चिंतन की शोध-पत्रिका 'गवेषणा' इस संस्था की ओर से प्रकाशित की जाती है । A. केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, नई दिल्ली B. साहित्य अकादमी, नई दिल्ली C. केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा D. महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा

72.	कृष्णा सोबती का उपन्यास 'सूरजमुखी अँधेरे के' का अंग्रेजी अनुवाद 'ब्लूसम्स इन डार्कनेस' नाम से किसने किया है ? A. सच्चिदानंद हीरानंद वात्सायन 'अज्ञेय' B. कविता नागपाल C. श्रवण कुमार D. विमला मोहन
73.	किस पाश्चात्य विद्वान ने मूल्य तथा भावों की प्रेषणीयता को साहित्य-सिद्धांतों का आधार-स्तंभ माना है --- A. बेनजॉनसन B. ई.एम. फार्स्टर C. आई.ए. रिचर्ड्स D. जान मिल्टन
74.	'शैतान के बहाने' - किनके व्यक्ति-व्यंजक ललित निबंधों का संग्रह है ? A. रमेशचन्द्र शाह B. श्रीकान्त वर्मा C. कुबेरनाथ राय D. भवानीप्रसाद मिश्र
75.	हिन्दी में प्रयुक्त 'रिपोर्ताज' शब्द किस भाषा का शब्द है -- A. अंग्रेजी B. जर्मन C. फ्रांसीसी D. रूसी
76.	'शान्तिनिकेतन से शिवालिक' तक किनके अभिनंदन ग्रंथ का शीर्षक है ? A. निराला B. हजारीप्रसाद द्विवेदी C. किशोरीदास वाजपेयी D. बाबू गुलाबराय
77.	'स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प' किनकी पुस्तक है -- A. चित्रा मुद्गल B. नासिरा शर्मा C. रोहिणी अग्रवाल D. मृणाल पाण्डेय
78.	'उत्तर आधुनिकतावाद और दलित साहित्य' किनकी पुस्तक है ? A. कृष्णदत्त पालीवाल B. डॉ. एन. सिंह C. धर्मवीर D. सूर्यनारायण रणसुभे
79.	हिन्दी विकीपीडिया का आरंभ इस वर्ष हुआ --- A. सन् 2002 B. सन् 2005 C. सन् 2003 D. सन् 2010
80.	'चीड़ों की चांदनी' यात्रा-संस्मरण के लेखक हैं -- A. राहुल सांकृत्यायन B. निर्मल वर्मा C. अज्ञेय D. मोहन राकेश

***